मॉ

जितनी प्यारी मॉ है
है उतने प्यारे हम
संग अगर मॉ रहे
तो क्या हे हमको गम
मॉ का आषीर्वाद हो
तो मंज़िल पाएँगे हम
मॉ का सिर पर हाथ हो
तो होंगी मुषकिलें भी कम
मॉ जो भी कहे
वही करेंगे हम।
चाहता है मेरा मन
दे दूँ मैं उनको खुषियॉ सब।
कॉटे वो मेरी राहों के
पलकों से अपनी बीनती
छिप जाऊँ अगर मैं कही
तो सारे जहॉ में ढूँढती
ऑसू अगर आ जाएँ
तो प्यार से दुलारती
मॉ है जीवन, मॉ है पूजा,मॉ है ईष्वर
मॉ ही सूरज, मॉ ही चंदा, मॉ ही तारा
मॉ ही है सब कुछ
और प्यारी मॉ के लिए
मैं ही हूँ सब कुछ।

– षिखर त्यागी
कक्षा – दस